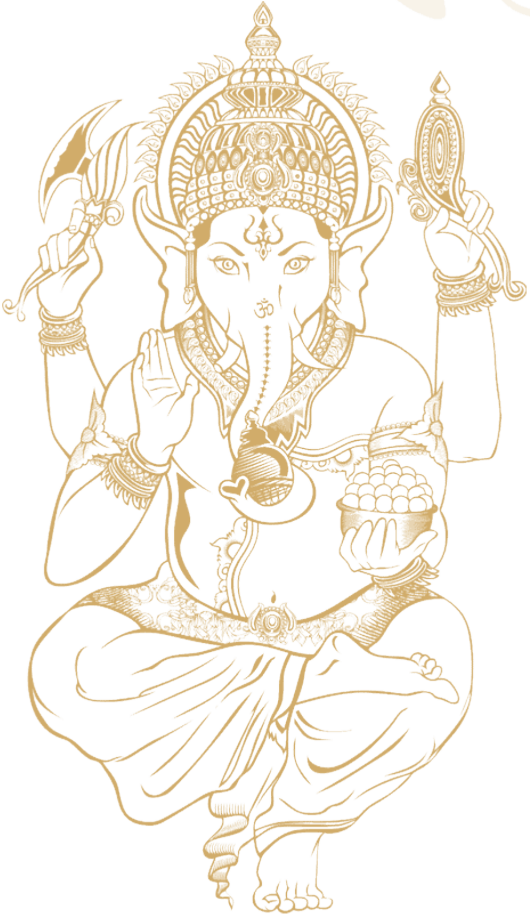

Prajit Kumar

13 Mar 2001

01:44 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121754703

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **13/03/2001**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **13:44:00 घंटे**
इष्ट	: 19:17:34 घटी
स्थान	: **Patna**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:37:00 उत्तर
रेखांश	: 85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 13:54:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:09:31 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:18:56 घंटे
सूर्योदय	: 06:00:58 घंटे
सूर्यास्त	: 17:56:50 घंटे
दिनमान	: 11:55:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 28:56:39 कुम्भ
लग्न के अंश	: 04:07:43 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	: **तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	: **स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: व्याघात
करण	: कौलव
गण	: देव
योनि	: महिष
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:07:43	311:51:24	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कुंभ	28:56:39	00:59:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	17:20:33	13:35:01	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	19:08:23	00:27:03	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	स्वराशि
बुध			कुंभ	01:35:28	01:05:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	10:48:12	00:08:19	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	23:28:40	00:10:42	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	02:11:50	00:04:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	18:45:55	00:07:21	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	18:45:55	00:07:21	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:43:49	00:03:07	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:00:17	00:01:45	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:24:13	00:00:10	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	27:28:49	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:09

लग्न-चलित

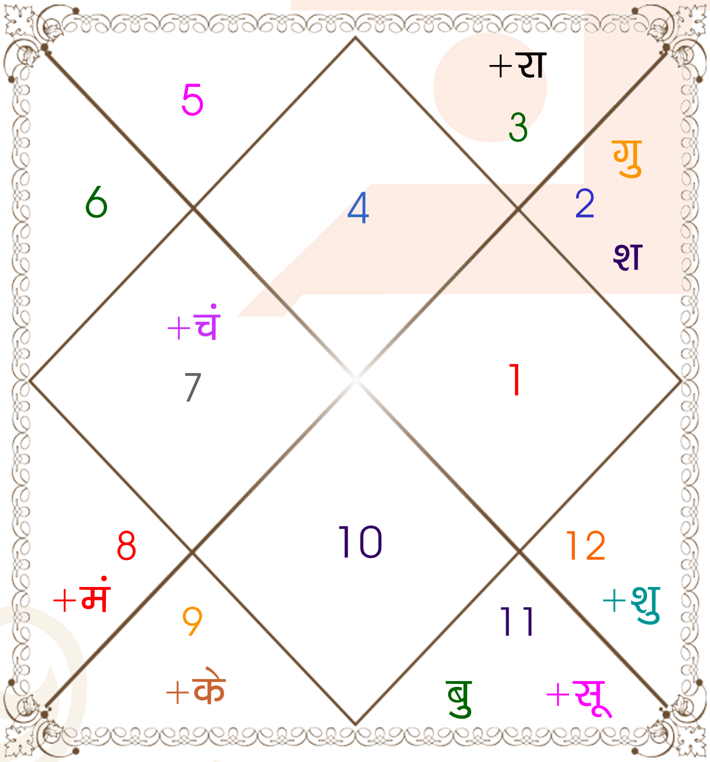

चन्द्र कुंडली

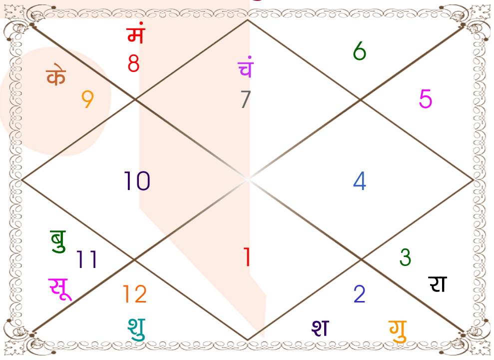

नवमांश कुंडली

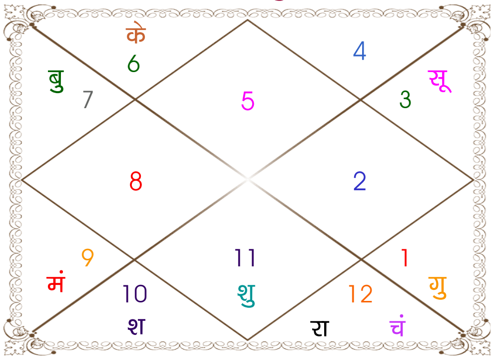

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 7 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/03/2001		14/10/2004		14/10/2020		14/10/2039		14/10/2056	
14/10/2004		14/10/2020		14/10/2039		14/10/2056		14/10/2063	
	00/00/0000	गुरु	02/12/2006	शनि	17/10/2023	बुध	12/03/2042	केतु	12/03/2057
	00/00/0000	शनि	14/06/2009	बुध	26/06/2026	केतु	09/03/2043	शुक्र	12/05/2058
	00/00/0000	बुध	20/09/2011	केतु	05/08/2027	शुक्र	07/01/2046	सूर्य	17/09/2058
	00/00/0000	केतु	26/08/2012	शुक्र	05/10/2030	सूर्य	13/11/2046	चंद्र	18/04/2059
	13/03/2001	शुक्र	27/04/2015	सूर्य	17/09/2031	चंद्र	14/04/2048	मंगल	14/09/2059
शुक्र	02/05/2001	सूर्य	13/02/2016	चंद्र	17/04/2033	मंगल	11/04/2049	राहु	01/10/2060
सूर्य	27/03/2002	चंद्र	14/06/2017	मंगल	27/05/2034	राहु	29/10/2051	गुरु	07/09/2061
चंद्र	26/09/2003	मंगल	21/05/2018	राहु	02/04/2037	गुरु	03/02/2054	शनि	17/10/2062
मंगल	14/10/2004	राहु	14/10/2020	गुरु	14/10/2039	शनि	14/10/2056	बुध	14/10/2063

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/10/2063		14/10/2083		14/10/2089		14/10/2099		15/10/2106	
14/10/2083		14/10/2089		14/10/2099		15/10/2106		00/00/0000	
शुक्र	13/02/2067	सूर्य	01/02/2084	चंद्र	14/08/2090	मंगल	12/03/2100	राहु	27/06/2109
सूर्य	13/02/2068	चंद्र	01/08/2084	मंगल	15/03/2091	राहु	31/03/2101	गुरु	21/11/2111
चंद्र	14/10/2069	मंगल	07/12/2084	राहु	13/09/2092	गुरु	07/03/2102	शनि	27/09/2114
मंगल	14/12/2070	राहु	01/11/2085	गुरु	13/01/2094	शनि	16/04/2103	बुध	15/04/2117
राहु	14/12/2073	गुरु	20/08/2086	शनि	14/08/2095	बुध	12/04/2104	केतु	04/05/2118
गुरु	14/08/2076	शनि	02/08/2087	बुध	13/01/2097	केतु	08/09/2104	शुक्र	14/03/2121
शनि	14/10/2079	बुध	08/06/2088	केतु	14/08/2097	शुक्र	08/11/2105		00/00/0000
बुध	14/08/2082	केतु	14/10/2088	शुक्र	15/04/2099	सूर्य	16/03/2106		00/00/0000
केतु	14/10/2083	शुक्र	14/10/2089	सूर्य	14/10/2099	चंद्र	15/10/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 7 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।